पतिव्रता बीवी को गैर मर्द से चुदवाने की तमन्ना-2

“मैं अपनी बीवी को किसी दूसरे के लंड से चुदवाना चाह रहा था, मैंने अपने दोस्त राज को इसके लिए मनाया था। कहानी पढ़ कर मजा लीजिये कि कैसे मेरी बीवी मेरे दोस्त से चुदी। …”

Story By: jay fantasyman (fantasyman)
Posted: Tuesday, October 25th, 2016
Categories: इंडियन बीवी की चुदाई
Online version: पतिव्रता बीवी को गैर मर्द से चुदवाने की तमन्ना-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पतिव्रता बीवी को गैर मर्द से चुदवाने की तमन्ना-2

अब तक आपने पढ़ा..

मैं अपनी बीवी को किसी दूसरे के लंड से चुदवाना चाह रहा था और मेरी निगाह में मेरा दोस्त राज ही इसके लिए ठीक था।

अब आगे..

फिर मेरी प्लानिंग शुरू हुई।
मैं घर आया और ये सब बात बीवी को बिना बताए अपने काम में लग गया क्योंकि उसे बताता तो वो तो मुझे मार ही डालती.. पतिव्रता जो ठहरी।

उस दिन रविवार था, मैंने उससे कहा- संजना आज हम लोग रात को नए तरीके से चुदाई करेंगे.. बहुत मज़ा आएगा।
प्लीज़ अपनी बुर के बाल पूरा शेव कर लेना।

वो मुस्कुराई और बोली- आज बड़े मूड में लग रहे हो.. ठीक है जानू, मैं सब कुछ मस्त करके ही बिस्तर में तुमसे मिलूँगी।

उसने उस दिन ‘वीट’ लगाकर पूरी बुर के बालों को साफ़ कर लिया।
मैंने उसकी बुर को देखते ही उसे चूम लिया और उसे 4-5 बार चूसा भी।

वो एकदम से गर्म हो गई, पर मैंने कहा- अभी नहीं रात को।

उस दिन मैं बीच-बीच में उसके नाज़ुक अंगों को सहलाता, खेलता, निचोड़ता रहा।

वो शाम होते-होते पूरी चुदासी हो गई थी और चाह रही थी कि मैं कब उसकी बुर में अपना लंड पेल दूँ।
पर मैं उसे और गर्म करके बेचैन कर देना चाह रहा था।

आख़िर वो समय आ ही गया, रात के दस बज रहे थे, मैं अपनी बीवी के साथ पूरा फोरप्ले कर रहा था।
मैं उसके हर अंग को चूस और चाट रहा था, वो बहुत गर्म हो गई थी।

तो मैंने कहा- अब नए तरीके से सेक्स करेंगे।
'करो न मुझे जल्दी है..'

मैंने एक काले कपड़े की पट्टी निकाली और उसकी आँखों में बाँधने लगा।
वो बोली- ये क्यूँ ?
मैं बोला- बहुत मज़ा आएगा देखना।
वो मान गई।

मैंने अच्छी तरह से तसल्ली के साथ पट्टी बाँधी और फिर से फोरप्ले करने लगा।

इससे पहले मैंने घर के दरवाजे को बीवी से छुपा कर खुला छोड़ दिया था ताकि राज अन्दर आ सके।
मैंने संजना के मम्मों.. निप्पल, कान की लौ, गर्दन, गाण्ड, जाँघ, पीठ, नाभि और हरेक अंग को खूब चूसा और चूमा।

वो पूरी चुदासी हो उठी थी, उसके कंठ से 'आहह.. आहह..' की कामुकता भरी आवाज़ निकल रही थी।

वह पूरी तरह से नंगी थी, उसकी बुर पूरी तरह से गीली हो चुकी थी और चूत से पानी रिस रहा था।

मैंने बुर को देखा और उसे सहलाया.. तो वो उछल पड़ी और बोली- प्लीज़ चूसिए ना..

जैसे कि मैंने पहले भी कहा था कि उसका सबसे कामुक अंग बुर ही है, जिसे चूसने से वो पागल हो जाती है।
मैं बिना चूसे उसे उंगली कर रहा था।
वो पूरी उत्तेजना में बोली- जीभ से चूसिए ना.. आयेए.. आ..आ..हा..

मैंने सही समय जान कर राज को चुपके से अन्दर आने का इशारा किया।
राज ने जैसे ही मेरी बीवी को पूरा नंगा देखा, उसके गोरे बदन और भरे पूरे जिस्म को.. वो देखता ही रह गया।

उसका लंड एकदम से तन गया।
मैंने उसे पूरे कपड़े खोलने का इशारा किया।
इधर मैं अपनी बीवी की बुर को सहलाता रहा था।

संजना इस सबसे अनभिज्ञ होते हुए बुर चूसने को कह रही थी।

मैं धीरे-धीरे बीवी से अलग होते हुए राज को बुर चूसने का इशारा किया।

राज तो जैसे पागल हुए जा रहा था, उसने धीरे से संजना की दोनों जांघों के बीच में आकर अपनी लंबी जीभ को उसकी बुर में घुसा दिया।

संजना ने ‘आ..ह.आ..’ की एक लंबी सीत्कार ली।
राज उसकी बुर को चूस, चाट और खाए जा रहा था।

वो पूरा जिस्म को ऐंठते हुए जन्नत में गोते लगा रही थी।

राज एक पागल की तरह उसकी बुर को चूसे जा रहा था और संजना ‘आ.. हन.. अया.. और ज़ोर से..’ किए जा रही थी।

उसकी बुर से पानी पूरा निकल रहा था, वो बोली- क्या बात है आज बहुत अच्छा से बुर चूस रहे हैं, बहुत ज़्यादा मज़ा आ रहा है.. आह..हा..ईई..

मैं इसका जवाब देने के लिए उसके पास मुँह ले जाकर बोला- मैं आज बोलूँगा नहीं.. सिर्फ़ तुझे जन्नत का मज़ा दूँगा।
वो कुछ नहीं बोली.. राज ने कुछ मिनट तक उसकी बुर को चाट-चाट कर लाल कर दिया।

संजना अब बोली- प्लीज़ अब लंड से चोदिए ना।
राज तो जैसे इसी फिराक में था, उसने अपना काला लंड जो मुझसे काफ़ी मोटा और लंबा था, उसकी बुर में घुसेड़ने लगा।

संजना पूरी पागल हो गई, ‘उईईइ.. अया.. बहुत.. टटटाइट है..’ कहकर अंगड़ाई लेने लगी।

राज का लंड पूरा का पूरा उसकी बुर में घुस गया था।
आज मेरी पतिव्रता बीवी की बुर में किसी गैर मर्द का लंड देखकर मेरी फैन्टेसी पूरी हो रही थी।
मैं काफ़ी खुश था और साइड में बैठ कर लंड हिला रहा था।

संजना बोली- अया.. उह.. हुन्न्.. क्या बात है जानू आज आपका लंड बहुत मोटा और बड़ा लग रहा है.. मेरे बर्दाश्त के बाहर हो रहा है.. ऐसा लग रहा है जैसे आज फिर से सुहागरात मना रही हूँ।

मैं फिर उसके पास जाकर बोला- डार्लिंग आज बहुत ज्यादा एग्ज़ाइट्मेंट में हूँ ना.. इसलिए लंड बड़ा और मोटा हो गया है। क्यों तुम्हें दर्द हो रहा है तो निकाल दूँ क्या ? मैंने ऐसा जानबूझ कर बोला।

वो तुरंत बोली- नहीं नहीं.. दर्द से ज्यादा मज़ा.. आ रहा है.. प्लीज़ चोदिए ना.. आज मेरी बुर को फाड़ दीजिए.. आपका लंड आज लोहे की रॉड की तरह कड़ा है.. ऐसा लग रहा है.. जैसे मेरी बुर को फाड़ ही डालेगा।

ये सब सुनकर राज और भी ज्यादा उत्तेजित हो गया और अपनी स्पीड बढ़ा दी। स्पीड बढ़ने से संजना की आवाज और भी तेज हो गई।

पूरा रूम उसकी मस्त कामुक आवाजों से 'अया..अया..' गूँज रहा था।
यह हिन्दी कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

वो काफ़ी ज्यादा मज़े ले रही थी और बोले जा रही थी- हाँ डार्लिंग.. ऐसे हीं.. हाँ..इस…सस्स… आ..आ बहुत दिनों के बाद इतना मज़ा आ रहा है, लग रहा है जैसे जन्नत में हूँ।

उसकी बुर पूरी तरह से पानी छोड़ रही थी.. जिससे उसकी कमर के नीचे रखे तकिया भी गीला हो गया था।
वो बोली- प्लीज़ अब डॉगी स्टाइल में चोदिए ना।

राज ने अपना लंड बाहर निकाला तो संजना आँखों पर पट्टी बँधे-बँधे ही डॉगी बन गई। मैंने देखा कि राज के लंड में कुछ खून लगा था.. मैं समझ गया कि ज्यादा मोटा और लंबा लंड होने के कारण से बुर से खून निकल आया है, कुछ खून तकिये पर भी गिरा था।

राज ने फिर से लंड संजना की बुर में पेल दिया.. वो चिहुंक उठी, पर राज पूरा ज़ोर-ज़ोर से

चोदने लगा।
पूरा कमरा ‘फ़च.. फ़च्छ..’ और ‘अया.. अयाया.. अया’ से गूँज रहा था।

संजना की चूचियां पूरी हिल रही थीं।

मैं साइड में मुठ मारने लगा।
फिर राज ने संजना को बिस्तर पर लिटा कर चोदना चालू किया और अपनी स्पीड राजधानी की रफ्तार से बढ़ा दी।

संजना तो ‘उई..मा… एयाया… अयाया मार दीजिएगा क्या… या..एयाया’ करने लगी और बोली- और ज़ोर से.. मैं झड़ने वाली हूँ।

राज पूरी स्पीड में चोदने लगा।
मेरा पलंग पूरी तरह से ‘हॅच..छ्च..’ की आवाज़ करने लगा.. जैसे पलंग टूट ही जाएगा।

और संजना बहुत एग्ज़ाइट्मेंट और एक जंगली जानवर की तरह झड़ने लगी।
उसने राज को कस कर पकड़ लिया और अपने नाखून पूरे ज़ोर से उसकी पीठ में गड़ा दिए।

संजना का स्खलन इतनी तीव्र और जंगली, भयानक था कि मैंने आज तक नहीं देखा था।
उसने इतने ज़ोर से राज को नाखून ग़ड़ाए कि राज की पीठ से खून निकलने लगा।

वो लगभग एक मिनट तक झड़ती रही, वो राज को छोड़ने का नाम ही नहीं ले रही थी।
इतना भयंकर स्खलन तो उसे सुहागरात के दिन भी नहीं हुआ था।

झड़ने के बाद वो पूरी तरह निढाल हो गई और बोली- क्या बात है मेरी जान.. इतना मज़ा आज तक नहीं आया था। आज बहुत ही ज़्यादा मज़ा आया।

थोड़ी देर में शांत होने के बाद राज फिर से उसको चोदने लगा.. क्यूंकि उसका अभी माल

नहीं निकला था।

संजना बोली- जान मैं आँख से पट्टी निकाल दूँ ?
मैंने फिर उसके पास जाकर कहा- नहीं अभी नहीं..

राज उसको धमाधम चोदने लगा और संजना के झड़ने के कुछ मिनट बाद वो भी झड़ने को होने लगा।
संजना जान गई थी कि लंड से स्पर्म गिरने वाला है।

एकाएक वो पता नहीं क्या सोचकर, जिसकी मुझे भी उम्मीद नहीं थी, बोली- डार्लिंग आज मुझे सबसे ज़्यादा मज़ा आया है.. इसलिए आज मैं आपका वीर्य अपने मुँह में लेना चाहती हूँ।

यह सुनकर मुझे राज से जलन भी होने लगी.. क्योंकि आज तक संजना मेरा वीर्य मुँह में लेना तो दूर जिस्म पर भी नहीं गिरने देती थी।
वो कहती थी कि बहुत गंद करता है, उल्टी हो जाएगी।

राज ने अपना लंड चूत से निकाल कर संजना के मुँह में डाल दिया।
संजना बोली- तुम्हारा लौड़ा अभी भी बहुत ज़्यादा मोटा और कड़क है।

वो बेतहाशा लंड को चूसने लगी.. जिससे राज बेकाबू हो गया और लंड का रस उसके मुँह में ही छोड़ने लगा।

संजना खुशी-खुशी स्वेच्छा से उसके लंड के रस को.. जैसे कि कोई अमृत हो, मुँह में ले रही थी।

राज की अभी शादी नहीं हुई थी, इसलिए उसका वीर्य पूरी तरह से जमा हुआ, गाढ़ा और

बहुत ही ज़्यादा थक्का किस्म का था।

संजना सारे लंड रस को मुँह में ले रही थी, उसे भी अचरज हो रहा था कि इतना ज़्यादा वीर्य कैसे निकल रहा है।

लगभग एक मिनट तक राज अपना वीर्य छोड़ता रहा।
संजना का पूरा मुँह लंड के वीर्य से लबालब भर गया था, यहाँ तक कि उसके मुँह में नहीं समा रहा था।
काफ़ी ज़्यादा वीर्य उसके मम्मों पर भी गिर गया था।

राज ने अब अपना लंड बाहर निकाल लिया।

मैंने देखा कि संजना का पूरा मुँह वीर्य से भरा हुआ था। जैसे खाने का एक बहुत ही बड़ा कौर(निवाला) मुँह में ले लिया हो।
मुझे लगा अब संजना वीर्य को थूक देगी।
पर ये क्या.. वो तो बड़े प्यार से खुशी-खुशी पूरा का पूरा वीर्य निगलने लगी और खाने लगी।

वीर्य काफ़ी ज़्यादा गाढ़ा होने की वजह से उसे निगलने में काफ़ी दिक्कत हो रही थी.. पर वो जैसे एक भी बूँद को खराब नहीं करना चाह रही हो.. उसने पूरा निष्ठा से वीर्य को निगल लिया था।

एक बार तो उसके गले में गाढ़ा वीर्य अटक सा गया.. जिससे उसे खाँसी भी आई.. पर वो फिर भी लगी रही।
सने पूरे वीर्य को उंगली का सहारा लेकर ऐसे निगल लिया था.. जैसे कोई दही खा रही हो।

वीर्य को पूरा का पूरा निगलने और खाने में उसे लगभग दो मिनट लगे। वो पूरा चटखारा

मार-मार कर माल चाट रही थी और ‘उम्म्म.. उम्म्म..’ कर रही थी।
कुछ पलों के बाद वो पूरा का पूरा माल खा चुकी थी।

तब तक मैंने राज को बाहर जाने का इशारा भी कर दिया था और वो चला भी गया था।
मैंने संजना से पूछा- कैसा लगा डार्लिंग मेरा लंड रस ?
तो वो बोली- सच में जान बहुत अच्छा लगा.. जैसे मैं कोई अमृत खा रही हूँ।

मैंने अब संजना का आँखों पर बँधी पट्टी खोल दी।
वो पूरा संतुष्ट लग रही थी और उसकी आँखों में एक अलग चमक थी।

उसकी एक नज़र तकिया पर गई जहाँ उसकी बुर से निकला हुआ रस और खून दिखाई दिया।
वो मुस्कुरा दी और मेरे तरफ बड़े प्यार से देख कर बोली- थैंक्यू डार्लिंग।

मैं भी मुस्कुरा दिया।
आख़िर आज मेरी फैन्टेसी जो पूरी हो गई थी।
एकाएक संजना ने देखा कि लंड का वीर्य जो कि राज का था.. उसकी चूचियों पर भी गिरा हुआ है।

वो मुस्कुराई और बोली- आज इतना ज़्यादा वीर्य कहाँ से निकला और वो भी इतना ज़्यादा गाढ़ा और टेस्टी.. सच में जानू आज मजा आ गया।

उसने ये कहते हुए मम्मों पर गिरा हुआ वीर्य जो काफ़ी गाढ़ा होने के वजह से एक ही जगह जमा हुआ था, जैसे कि गाढ़ा मक्खन हो.. उसको नशीली निगाहों से देखते हुए उंगली से उठा कर अपने मुँह में ले लिया और बड़े चाव से खाने लगी।

कुछ ही पलों में वो अपनी चूचियों का सारा माल पोंछ-पोंछ कर खा गई।

उसने एक भी कतरा नहीं छोड़ा और ‘उम्म.. टेस्टी है..’ कह कर मुस्कुराते हुए निगल गई।

अब वो मेरे पास आकर मेरे मुँह में किस करने लगी।
उसके मुँह से राज का वीर्य रस की महक मुझे बड़ी अजीब सी लगी, पता नहीं कैसे संजना पूरा का पूरा वीर्य खा गई थी।

अब संजना मेरे सीने से लग गई थी और सुस्त पड़ गई थी।

तो दोस्तो.. यह थी मेरे दोस्त जय की कहानी.. जिसमें मैं यानि कि राज भी शामिल था।
यह कहानी बिल्कुल सच्ची है। हाँ इसमें प्राइवेसी के तौर पर अपना, दोस्त का और उसकी बीवी का नाम बदल दिया गया है।
fantasyman@yahoo.com

पतिव्रता बीवी की चुदाई गैर मर्द से करवाने की तमन्ना-3

Other stories you may be interested in

जिगोलो बन कर भाभी की जवानी की प्यास बुझाई

नमस्कार दोस्तो ! मेरा नाम मनोज है । मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ और रोज़ अन्तर्वासना की कहानियाँ पढ़ कर अपना पानी निकालता था । और जब भी पानी निकल जाता था तो सोचता था कि ऐसा कैसे हो सकता है कि […]
Full Story >>>

भाभी की कुंवारी बहन की सीलतोड़ चुदाई

अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को मेरा प्रणाम, मेरा नाम पंकज सिंह है. मैं पिछले 3 साल से दिल्ली में पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी उम्र अभी 24 साल है. मेरा कद 5 फुट 9 इंच है. मैं गोरे रंग का […]
Full Story >>>

यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-3

पिछले भाग में आपने पढ़ा कि जीजा ने फोन पर बातें करते हुए मुझे सुन लिया था और जीजा मेरी चूत को चोदने लगे थे. मैं भी जीजा को आशीष कहकर बुला रही थी. ताकि आशीष को पता न लगे […]
Full Story >>>

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. […]
Full Story >>>

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैंया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. […]
Full Story >>>